Roll No. ..... Total Pages : 4

11428

LMDQ/M-24

हिन्दी निबंध और आलोचना

Paper : MAH-402

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित अवतरण की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

तुम भी मत-मतांतर का आग्रह छोड़ो। आपस में प्रेम बढ़ाओ। इस महामंत्र का जाप करो। जो हिन्दुस्तान में रहे, चाहे किसी रंग, किसी जाति का क्यों न हो, हिंदू, हिंदू की सहायता करो। बंगाली, मराठा, पंजाबी, मद्रासी, वैदिक, जैन, ब्राह्मणों, मुसलमान सब एक का हाथ एक पकड़ो।

अथवा

"गौतम ने ठीक ही कहा था कि मनुष्य की मनुष्यता यही है कि वह सबके दुख सुख को सहानुभूति के साथ देखता है। यह आत्म निर्मित बंधन ही मनुष्य को मनुष्य बनाता है। अहिंसा, सत्य और अक्रोधमूलक धर्म का मूल उत्स यही है।" (1×8=8)

2. पाठांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

'यह बाढ़ वन्या का काल है। नदी अपनी दिशा भूलकर, कूल छोड़कर उन्मुक्त हो गई है, अतः बुद्धिजीवी वर्ग से धीरता और संयम अपेक्षित

है। घबराकर वन्या की पथभ्रष्ट धार के प्रति आत्मसमर्पण करने की अपेक्षा जल के उत्तरण, वन्या के 'उतार' की प्रतीक्षा करना अधिक उचित है।'

(क) प्रस्तुत पाठांश के रचनाकार का नाम बताएं।

(ख) बुद्धिजीवी वर्ग से धीरता व संयम क्यो अपेक्षित है?

(ग) वन्या के 'उतार' के निहीतार्थ को स्पष्ट करें।

(घ) पथभ्रष्ट थार के प्रति आत्मसमर्पण की अपेक्षा क्या करना उचित है? (4×2=8)

3. निम्नलिखित आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

(इकाई–I)

(क) हिन्दी निबंध यात्रा में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का स्थान निर्धारित कीजिए।

अथवा

शुक्लोतर हिंदी आलोचना में स्वच्छंदतावादी व मार्क्सवादी आलोचना पर टिप्पणी करें।

(इकाई–II)

(ख) 'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों में उनका स्वयं का व्यक्तित्व झलकता है' उदाहरण सहित व्याख्या करें।

अथवा

'हरिशंकर परसाई के निबंध व्यवस्था पर तीखे व्यंग्य हैं' तर्क सहित उत्तर दें।

(ग) 'हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि, रामचंद्र शुक्ल की आलोचना का खण्डन-मण्डन है' समझाइए।

अथवा

"रामविलाश शर्मा, मार्क्सवादी आलोचक होते हुए भी मार्क्सवादी मूल्यों में संशोधन करते हैं" आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।

(3×12=36)

4. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर (200 शब्दों में) दीजिए :

(क) बालमुकुंद गुप्त के साहित्य में व्यंग्य क्षमता।

(ख) बालकृष्ण भट्ट के साहित्य में सांस्कृतिक जागरण।

(ग) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के साहित्य में अनुशासन।

(घ) नंददुलारे वाजपेयी की साहित्य दृष्टि।

(ङ) डॉ. नगेन्द्र के साहित्य में सामाजिक चिंतन।

(च) हरिशंकर परसाई के साहित्य में राजनीतिक समझ।

(छ) शरद जोशी का साहित्यिक परिचय। (5×4=20)

5. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) हिंदी के **दो** प्रमुख ललित निबंधकारों के नाम लिखें।

(ख) **'हिन्दी साहित्य का इतिहास'** किस ग्रंथ की भूमिका में लिखा गया?

(ग) रामचंद्र शुक्ल के **दो** निबंधों का नाम लिखें।

(घ) **'उत्साह'** किस निबंध सग्रह में विद्यमान है?

(ङ) दो **स्त्री निबंधकारों** के नाम लिखें।

(च) **'हिन्दी साहित्य का उद्भव एवं विकास'** किसका ग्रंथ है?

(छ) हरिशंकर परसाई के **दो** निबंध लिखें।

(ज) रामविलाश शर्मा की **दो** पुस्तकों के नाम बताएं। (8×1=8)